निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन में 'मुस्लिम छात्राओं में सम्प्रेषण समस्या एवं समाजीकरण पर शिक्षा के माध्यम के प्रभाव का अध्ययन' किया गया है। जिसके आधार पर प्रस्तुत अध्ययन में निम्न निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं-

- हिंदी माध्यम में मुस्लिम छात्राओं का मानना है, कि उनको धारा प्रवाह की कमी, हीनता की भावना, गलती करने का भय, अभ्यास एवं अभिव्यक्ति की कमी के कारण दूसरों से बात करने में समस्या का सामना करना पड़ता है।
- अंग्रेजी माध्यम में अध्ययनरत मुस्लिम छात्राओं को गलत उच्चारण के कारण दूसरों से बात करने में समस्या आती है।
- उर्दू माध्यम में अध्ययनरत मुस्लिम छात्राओं का कहना है, कि उन्हें सीमित शब्द कोश, आत्म-विश्वास, बुद्धि तत्परता की कमी के कारण उनको सम्प्रेषण में समस्या उत्पन्न होती है।
- मुस्लिम छात्राओं की पारिवारिक स्थिति के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त होता है कि छात्राओं के बेहतर समाजीकरण में उनके परिवार की स्थिति के साथ आर्थिक स्थिति का अच्छा होना भी आवश्यक है।
- मुस्लिम छात्राओं के शिक्षक से संबंध के आधार पर छात्राओं के दृष्टिकोण से यह पता चलता है कि शिक्षक के बेहतर संबंध उनके समाजीकरण को बेहतर बनाते हैं।
- छात्राओं के पड़ोसियों से संबंध के आधार पर यह पता चलता है कि छात्राओं के बेहतर समाजीकरण हेतु पड़ोसियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।
- छात्राओं के समाजीकरण में मित्र-मंडली के आधार पर यह निष्कर्ष प्राप्त होता है, कि अच्छे मित्रों के सहयोग, प्रोत्साहन एवं सहयोग से छात्राओं के बेहतर समाजीकरण में मदद मिलती है।

शोध सीमा

- प्रस्तुत शोध गाजीपुर जिले के सिर्फ मुस्लिम छात्राओं पर ही आधारित है।
- प्रस्तुत शोध में मुस्लिम छात्राओं के सम्प्रेषण समस्या एवं समाजीकरण का ही अध्ययन किया गया है।
- शोध में प्रतिदर्शो की सीमित संख्या (60) के कारण अध्ययन के परिणामों का सामान्यीकरण संभव नही है।

आगामी शोध हेतु सुझाव

- मुस्लिम छात्राओं के सम्प्रेषण समस्या एवं समाजीकरण अध्ययन को एक बड़े प्रतिदर्श पर और भी बेहतर तरीके से इसके निष्कर्ष का सामान्यीकरण किया जा सकता है।
- यह शोध सिर्फ गाज़ीपुर जिले पर ही आधारित है, इसको अन्य क्षेत्रों में विस्तारित रूप से किया जा सकता है जिससे सामान्यीकरण में स्पष्टता हो।
- मुस्लिम छात्राओं के आत्म एवं सामाजिक प्रत्यक्षीकरण पर अध्ययन किया जा सकता है।
- मुस्लिम छात्राओं के व्यक्तित्व एवं उनके शिक्षा स्तर का अध्ययन किया जा सकता है।
- मुस्लिम महिलाएं और उनमें हुए सामाजिक परिवर्तन पर अध्ययन किया जा सकता है।